

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण  
उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 01 <sup>मई</sup> अप्रैल, 2008

विषय:-वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-782/1-1(102)/2008-09, दिनांक 27 मार्च, 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से संबंधित राज्य सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्राविधानित रु०-1,04,89.00 हजार (रुपये एक करोड़ चार लाख नवासी हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन/आवंटन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- 2- धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किस्तों के रूप में किया जायेगा।
- 3- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 (छाया प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुरतिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य राक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 9- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय संबंधित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।



10-यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि अनुसूचित जाति क्षेत्र उपयोग (एस0सी0एस0पी0) हेतु आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जाय।

11- उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि विभाग के नियंत्रणाधीन संबंधित आहरण-वितरण अधिकारियों को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हों।

12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नाम डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-46(P)/XXVII-4/2008, दिनांक-28 अप्रैल, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

संख्या-427/XVI/08/7(28)/08/तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-4/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- ✓ 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- आयुक्ता, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

अहमद अली

(अहमद अली)

अनुसचिव।

शासनादेश संख्या- 427 / XVI / 08 / 7(28) / 08, दिनांक-01 <sup>मई</sup> अप्रैल 2008 का संलग्नक  
 वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की  
 चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण:-

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मद	आय-व्ययक प्राविधान	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	5
	अनुदान सं०-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पौनेन्ट प्लान-		
1-	08-मधुमक्खी पालन की योजना		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	1375	1375
	42-अन्य व्यय	46	46
	योग-08	1421	1421
2-	10-सघन एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन का विकास		
	31-सामग्री और सन्पूर्ति	9068	9068
	योग-10	9068	9068
	कुल योग राज्य सैक्टर-	10489	10489

(रुपये एक करोड़ चार लाख नवासी हजार मात्र)

(अर्जुन सिंह)  
 अपर सचिव।